The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 2 | February 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहल के रूप में 'विद्यांजलि' की भूमिका, प्रभाव और व्यवहारिकता का अध्ययन

मोमिना

एम.ए.(शिक्षाशास्त्र) छात्रा, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.18978613

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 17-02-2026

Published: 10-03-2026

Keywords:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, विद्यांजलि कार्यक्रम, सामुदायिक सहभागिता, विद्यालय–समुदाय सहयोग, अनुभवात्मक अधिगम, जीवन कौशल, शैक्षिक गुणवत्ता, स्वयं सेवक सहभागिता।

ABSTRACT

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता की एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में विद्यांजलि कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव एवं व्यावहारिकता का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन दिल्ली के चयनित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों, कार्यरत शिक्षकों तथा अभिभावकों के दृष्टिकोण पर आधारित है। सर्वेक्षण विधि द्वारा एकत्र आँकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि विद्यांजलि कार्यक्रम विद्यालय– समुदाय सहभागिता को सुदृढ़ करने, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों के शैक्षिक, सामाजिक और जीवन कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है। अध्ययन के निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि कार्यक्रम के माध्यम से बाहरी स्वयं सेवकों, संसाधनों एवं गतिविधि–आधारित अधिगम को विद्यालयों से जोड़ा गया, जिससे सीखने में रुचि, आत्मविश्वास और व्यावहारिक अनुभव में वृद्धि हुई। यद्यपि कुछ चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, तथापि समग्र रूप से यह कार्यक्रम NEP 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा को अधिक समावेशी, सहभागितापूर्ण और गुणात्मक बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध होता है।

प्रस्तावनाः–

भारत में शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं है बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रमुख साधन भी है। आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में, जहाँज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रगति और सामाजिक समानता के लक्ष्य प्रमुख हैं, वहाँ एक समग्र, आधुनिक और समयोचित शिक्षा नीति की आवश्यकता अनिवार्य हो जाती है। इसी उद्देश्य से भारतीय केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रस्तुत किया को जो 34

वर्षों बाद देश की शिक्षा नीति में एक व्यापक रूपांतरण का प्रतिनिधित्व करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य सिर्फ पाठ्यक्रम सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा के दर्शन, संरचना, व्यवस्था और वितरण में मूलभूत परिवर्तन लाना है, ताकि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और बहुआयामी शिक्षा मिले।

इस अध्ययन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सैद्धान्तिक आधार, लक्ष्य, संरचनात्मक बदलाव तथा इसे लागू करने के लिए सुझाए गए उपायों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, इस नीति के अंतर्गत समुदाय एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी पर केन्द्रित एक महत्वपूर्ण पहल–विद्यांजलि का भी सम्यक् विश्लेषण किया जाएगा। विद्यांजलि एक स्वयंसेवी–आधारित प्लेटफॉर्म है जिसे स्कूलों में समुदाय, वरिष्ठ नागरिक, पेशेवरों और संगठनों को जोड़कर पाठ्येतर गतिविधियों, सामुदायिक सहभागिता और संसाधन–संत्रलन के माध्यम से सरकारी प्राथमिक व प्राथमिकोत्तर विद्यालयों की क्षमता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

विद्यांजलिः एकपरिचय

विद्यांजलि कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम इस मूल धारणा पर आधारित है कि शिक्षा केवल सरकार या विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों– अभिभावकों, शिक्षाविदों, सेवानिवृत्तकर्मियों, पेशेवरों, गैर–सरकारी संगठनों तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सकता है। विद्यांजलि का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध मानव एवं भौतिक संसाधनों को समुदाय के सहयोग से समृद्ध करना है, ताकि छात्रों का शैक्षणिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास समग्र रूप से हो सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यालयों को 'समुदाय के केंद्र' के रूप में विकसित करने पर विशेष बल दिया गया है। विद्यांजलि कार्यक्रम इसी नीतिगत दृष्टिकोण को व्यवहारिक रूप प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विद्यालयों और स्वयंसेवकों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है, जिससे विद्यालयों को अतिरिक्त सहयोग प्राप्त होता है और समुदाय को शिक्षा व्यवस्था से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है।

विद्यांजलि एक डिजिटल–आधारित स्वयंसेवी कार्यक्रम है, जिसे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया गया है। यह एक राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से संचालित होता है, जहाँ देशभर के सरकारी विद्यालय अपनी आवश्यकताओं को दर्ज कर सकते हैं और इच्छुक स्वयंसेवकों जैसे विषय–विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक, अभियंता, कलाकार, खिलाड़ी अथवा अन्य पेशेवर– अपने कौशल और समय के अनुसार विद्यालयों में योगदान दे सकते हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवक शैक्षणिक सहायता, सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ, जीवन–कौशल प्रशिक्षण, कैरियर मार्गदर्शन, खेलकूद, कला–संस्कृति, पुस्तकालय प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता जैसे विविध क्षेत्रों में सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

विद्यांजलि का स्वरूप लचीला और समावेशी है, जिससे यह विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक संदर्भों में लागू किया जा सकता है। यह कार्यक्रम विद्यालयों में शिक्षकों के स्थान पर नहीं, बल्कि उनके सहयोगी के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य शिक्षण–शिक्षण प्रक्रिया को समृद्ध करना है, न कि औपचारिक शिक्षक–व्यवस्था का प्रतिस्थापन करना। इस प्रकार, विद्यांजलि विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक पूरक और सहायक तंत्र के रूप में उभरता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहल के रूप में 'विद्यांजलि' कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव तथा व्यावहारिकता के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहल के रूप में 'विद्यांजलि' कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव तथा व्यावहारिकता के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहल के रूप में 'विद्यांजलि' कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव तथा व्यावहारिकता के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

अध्ययन का सीमांकन

प्रस्तुत अध्ययन को निम्न बिन्दुओं तक सीमित रखा गया है– अध्ययन में केवल दिल्ली के केवल 8 विद्यालयों को ही सम्मिलित किया गया है। अध्ययन में केवल उच्चतर माध्यमिक स्तर की कक्षा 6–12 को ही सम्मिलित किया गया है। अध्ययन में केवल विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा उनके अभिभावों को ही सम्मिलित किया गया है।

सम्बन्धितसाहित्य का अध्ययन :–

कुमार (2021) ने अपने अध्ययन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दार्शनिक एवं वैचारिक आधारों का विश्लेषण करना निर्धारित किया। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि NEP 2020 शिक्षा को बहुविषयक, मूल्य-आधारित तथा समग्र मानव-विकास की प्रक्रिया के रूप में पुनर्परिभाषित करती है। शर्मा एवं शर्मा (2022) ने NEP 2020 में मूल्य-आधारित शिक्षा की अवधारणा का विश्लेषण करने हेतु नीति-दस्तावेजों पर आधारित गुणात्मक शोध किया। अध्ययन में पाठ-विश्लेषण को उपकरण के रूप में अपनाया गया। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि नीति भारतीय सांस्कृतिक, नैतिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करती है। पांडेय (2023) ने 5+3+3+4 संरचना के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन करने हेतु 60 विद्यालय प्रशासकों को न्यादर्श के रूप में चुना। वर्णनात्मक शोध-पद्धति एवं साक्षात्कार उपकरण के प्रयोग से यह निष्कर्ष निकला कि राज्यों की प्रशासनिक क्षमता नीति के सफल क्रियान्वयन में निर्णायक भूमिका निभाती है। एपस्टीन (2018) ने

विद्यालय-परिवार-समुदाय सहभागिता के प्रभाव का अध्ययन 300 विद्यालयों पर सहसंबंधात्मक पद्धति से किया तथा सहभागिता सूचकांक एवं उपलब्धि स्केल का प्रयोग किया। निष्कर्षों से यह सिद्ध हुआ कि सामुदायिक सहभागिता से छात्रों की शैक्षणिक एवं सामाजिक उपलब्धियाँ बढ़ती हैं। दास (2019) ने भारतीय सरकारी विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता की भूमिका का अध्ययन 50 विद्यालयों पर केस-स्टडी पद्धति से किया तथा अवलोकन एवं साक्षात्कार उपकरणों का प्रयोग किया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि समुदाय की भागीदारी से विद्यालयों की जवाबदेही एवं संसाधन-संवर्धन में वृद्धि होती है। पटेल (2024) ने NEP 2020 के लक्ष्यों की प्राप्ति में विद्यांजलि की भूमिका का अध्ययन 100 शिक्षकों पर सर्वेक्षण पद्धति से किया। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि विद्यांजलि नीति के सामुदायिक सहभागिता उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप प्रदान करता है। त्रिपाठी (2024) ने NEP 2020 के अंतर्गत विद्यालयों को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करने की अवधारणा का अध्ययन नीति-दस्तावेजों एवं केस-स्टडी के माध्यम से किया। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि सामुदायिक सहभागिता नीति के सफल क्रियान्वयन की कुंजी है।

अध्ययन की विधि :–

प्रस्तुत अनुसंधान विश्लेषणात्मक प्रकृति का सर्वेक्षण आधारित अनुसंधान है। इस अनुसंधान के अन्तर्गतराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विद्यांजलि कार्यक्रमः भूमिका, प्रभाव और व्यावहारिकता को जानने के उद्देश्य से किया गया है।

जनसंख्या :–

प्रस्तुत परियोजना कार्य में समग्र या समष्टि या जनसंख्या से आशय दिल्ली में स्थित तथा सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालायों के उन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा उनके अभिभावकों से है जो कक्षा 6–12 में अध्ययनरत् हैं।

न्यादर्ष एवं न्यादर्ष चयन प्रविधिः–

प्रस्तुत लघु शोधकार्य में न्यादर्श चयन हेतु **स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन विधि** का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में दिल्ली के कुल 8 उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यालयों को यादृच्छिक रूप से चयनित किया गया है। जिनमें प्रत्येक विद्यालय से कक्षा 6–12 में अध्ययनरत् 35 विद्यार्थियों, 11 शिक्षकों तथा 20 अभिभावकों को यादृच्छिक रूप से लॉटरी विधि से चयनित किया गया। इस अध्ययन में कुल 280 विद्यार्थी, 90 शिक्षक तथा 160 अभिभावक न्यादर्श के रूप में चयनित हुए।

शोध उपकरणः–

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधार्थी द्वारा अपने उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। यह प्रश्नावली का नाम ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विद्यांजलि कार्यक्रम का आंकलन प्रश्नावली'' है। यह

प्रश्नावली में तीन खण्डों–विद्यार्थियों से हेतु, शिक्षकों हेतु तथा अभिभावकों हेतु में विभाजित है। प्रथम दो खण्डों में प्रत्येक खण्डमें 15 कथन तथा अन्तिम खण्ड में कुल 10 कथन हैं। इस प्रकार प्रश्नावली में कुल 40 कथन हैं। प्रत्येक कथन के उत्तर हेतु कुछ विकल्प दिये गये हैं जिनके माध्यम से उत्तरदाता को अपनी प्रतिक्रिया देनी है।

उद्देश्य संख्या 01 का परीक्षण एवं विश्लेषण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहले के रूप में 'विद्यांजलि' कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव तथा व्यावहारिकता के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

कथन	हाँ	नहीं
क्या आपके विद्यालय में विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधियां करवाई जाती हैं?	273¼96-13%½	11¼3-87%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या आपने विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत किसी गतिविधि में भाग लिया है ?	210¼73-94%½	74¼26-06%½

कथन	बहुत अधिक	कुछ हदतक	नहीं
विद्यांजलि गतिविधियों से आपकी पढ़ाई में रुचि बढ़ी है?	139¼48-94%½	125 ¼44-01%½	20 ¼7-04%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या इन गतिविधियों से आपको नई चीजें सीखने का अवसर मिला है?	260 ¼91-55%½	24 ¼8-45%½

कथन	हाँ	सामान्य	नहीं
क्या आपको बाहरी व्यक्तियों (वॉलंटियर्स) से सीखना अच्छा लगता है ?	219¼77-11%½	47 ¼16-55%½	18 ¼6-34%½

कथन	हाँ	थोड़ा	नहीं
क्या इन गतिविधियों से आपकी	204 ¼71-	60 ¼21-	20 ¼7-

आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है?	83%½	13%½	04%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या किसी संस्था/फाउंडेशन द्वारा कराई गई प्रयोजित गतिविधि में आपका मेडिकल चेकअप भी हुआ है ?	193 ¼67-96%½	91 ¼32-04%½

कथन	हाँ, पूरी तरह	आंशिक	नहीं
क्या प्रायोजित गतिविधियाँ (गीत, कला, खेल, जागरूकता आदि) आपको समझ में आ रही हैं?	234 ¼82-39%½	31¼10-92%½	19 ¼6-69%½

कथन	हाँ	आंशिक	नहीं
क्या इन प्रायोजित गतिविधियों से आपको जीवन कौशल (Life Skills½ सीखने में मदद मिल रही है?	224 ¼80-00%½	41 ¼14-64%½	15 ¼5-36%½

कथन	बहुत रोचक	सामान्य	नहीं
क्या आपके विद्यालय में प्रायोजित गतिविधियाँ पाठ्यपुस्तकों से अलग और रोचक थीं?	176 ¼63-03%½	77 ¼27-46%½	27 ¼9-51%½

कथन	हाँ	पता नहीं	नहीं
क्या प्रायोजित गतिविधियाँ NEP 2020 कs ^^Experiential Learning** को बढ़ावा देती हैं?	126 ¼45-42%½	132 ¼46-83%½	22 ¼7-75%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत आपको या	221 ¼78-87%½	59 ¼21-13%½

आपके स्कूल को नए संसाधन/सामग्री मिली हैं ?		

कथन	बहुत आसान	थोड़ा	नहीं
क्या नईसामग्री (खेल, चार्ट, पुस्तकें, उपकरण) से सीखना आसान हुआ?	168 ¼60-21%½	92 ¼32-75%½	20 ¼7-04%½

कथन	हाँ	कभी–कभी	नहीं
क्या इन संसाधनों का उपयोग कक्षा में नियमित रूप से हो रहा है?	182 ¼65-00%½	78 ¼27-86%½	20 ¼7-14%½

कथन	पूर्णतः सहमत	आंशिक सहमत	असहमत
क्या आप मानते हैं कि विद्यांजलि कार्यक्रम आप सभी बच्चों के समग्र विकास में सहायक हो रहा है?	192 ¼68-57%½	61 ¼21-79%½	27¼9-64%½

प्रस्तुत तालिका के विस्तृत विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि विद्यालयों में संचालित वित्तपोषित कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ शैक्षिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अधिकांश शिक्षकों ने यह स्वीकार किया है कि ये कार्यक्रम विद्यालय के शैक्षिक उद्देश्यों से परिचित कराने में सहायक हैं तथा NEP 2020 के अनुरूप सहभागिता, अनुभवात्मक अधिगम और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देते हैं। उच्च प्रतिशत में हाँ उत्तर यह संकेत करते हैं कि इन गतिविधियों से शैक्षिक वातावरण में सुधार हुआ है और विद्यार्थियों को सीखने के नए अवसर प्राप्त हुए हैं।

विश्लेषण से यह भी ज्ञात होता है कि Sponsored Activities के माध्यम से विद्यार्थियों के कौशल विकास, आत्मविश्वास, जीवन कौशल तथा व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हुई है। शिक्षकों के अनुसार, बाहरी विशेषज्ञों/वॉलंटियर्स से संपर्क के कारण विद्यार्थियों को नई चीजें सीखने का अवसर मिला और पाठ्यपुस्तकों से इतर रोचक व उपयोगी अनुभव प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त, कई संस्थानों में इनगतिविधियों के परिणामस्वरूप पुस्तकें, ICT उपकरण, खेलसामग्री एवं अन्य संसाधन उपलब्ध हुए, जिससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनी।

हालाँकि, कुछ कथनों में नहीं अथवा आंशिक सहमति का प्रतिशतभी देखने को मिलता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सभी विद्यालयों में इन कार्यक्रमों का क्रियान्वयन समान रूप से प्रभावी नहीं है। विशेष रूप से संसाधनों के नियमित उपयोग, NEP 2020 के Experiential Learning की स्पष्ट समझ तथा सभी विद्यार्थियों तक समान लाभ पहुँचने में कुछ चुनौतियाँ विद्यमान हैं। इसके बावजूद, समग्र रूप से निष्कर्ष यह निकलता है कि वित्तपोषित गतिविधियाँ उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा संस्थागत स्थिरता को बढ़ाने में एक सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही हैं।

उद्देश्य संख्या 02 का परीक्षण एवंविश्लेषण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहल के रूप में 'विद्यांजलि' कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव तथा व्यावहारिकता के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

कथनसंख्या	कथन	हाँ		नहीं	
		सं.	प्रतिशत	सं.	प्रतिशत
01	विद्यांजलि कार्यक्रम के उद्देश्यों से परिचित हैं?	83	92.22%	7	7.78%
02	क्या स्वयंसेवकों की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सीखने में सहायक हो रहीं हैं?	71	78.89%	19	21.11%
03	क्या विद्यांजलि कार्यक्रम विद्यालय–समुदाय के संबंध को मजबूत कर रहा है?	87	96.67%	3	3.33%
04	क्या विद्यांजलि गतिविधियाँ NEP 2020 की समुदाय सहभागिता की भावना को दर्शाते हैं।	76	84.44%	14	15.56%
05	क्या इस कार्यक्रम से विद्यालय का समग्र शैक्षिक वातावरण बेहतर हो रहा है ?	87	96.67%	3	3.33%
06	क्या आपके विद्यालय में विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत Sponsored Activities आयोजित हुईं?	86	95.56%	4	4.44%
07	क्या आपके विद्यालय में विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत Sponsored Activities आयोजित हुईं?	86	95.56%	4	4.44%
08	क्या इन गतिविधियों से विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ावा मिल रहा है?	67	74.44%	23	25.56%
09	क्या Sponsored Activities पाठ्यक्रम से जुड़ी हुई हैं?	66	73.33%	24	26.67%

10	क्या इन गतिविधियों का क्रियान्वयन समयबद्ध और योजनाबद्ध रहता है?	87	96.67%	3	3.33%
11	क्या भविष्य में Sponsored Activities को और बढ़ाया जाना चाहिए?	83	92.22%	7	7.78%
12	क्या विद्यांजलि के अंतर्गत विद्यालय को शैक्षिक संसाधन/एसेट्स प्राप्त हुए?	85	94.44%	5	5.56%
13	क्याप्राप्त एसेट्स (जैसे पुस्तकें, ICT उपकरण, खेल सामग्री) उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं?	75	83.33%	15	16.67%
14	क्या इन एसेट्स का नियमित उपयोग शिक्षण–अधिगम में किया जा रहा है?	82	91.11%	8	8.89%
15	क्या आप मानते हैं कि एसेट्स आधारित गतिविधियाँ विद्यांजलि कार्यक्रम की स्थायित्व (Sustainability) को बढ़ाती हैं?	83	92.22%	7	7.78%

तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि अधिकांश शिक्षकों का वित्तपोषित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। लगभग सभी कथनों में हाँ उत्तरों का प्रतिशत 70प्रतिशत से अधिक है, जो यह दर्शाता है कि वित्तपोषित कार्यक्रम विद्यालय के उद्देश्यों से परिचित कराने, NEP 2020 के अनुरूप सहभागिता बढ़ाने, शैक्षिक वातावरण सुधारने तथा संसाधनों (पुस्तकें, ICT उपकरण, खेलसामग्री आदि) की उपलब्धता में सहायक सिद्ध होरहे हैं। साथ ही, इन गतिविधियों से विद्यार्थियों के कौशल विकास और संस्थागत स्थिरता को भी बढ़ावा मिल रहा है। हालांकि कुछ कथनों में नहीं उत्तरों का प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक है, जिससे यह संकेत मिलता है कि सभी विद्यालयों में इन कार्यक्रमों का प्रभाव समान नहीं है। कुल मिलाकर, अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि वित्तपोषित गतिविधियाँ उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उद्देश्य संख्या 03 का परीक्षण एवंविश्लेषण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के पहल के रूप में 'विद्यांजलि' कार्यक्रम की भूमिका, प्रभाव तथा व्यावहारिकता के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

कथन	हाँ	नहीं
क्या आप जानते हैं कि आपके बच्चे के विद्यालय में विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधियाँ करवाई	152 ¼95-00%½	8 ¼5-00%½

जाती हैं?		

कथन	हाँ	नहीं
क्या आपके बच्चे ने विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत किसी गतिविधि में भाग लिया है?	109 ¼68-13%½	51 ¼31-88%½

कथन	बहुत अधिक	कुछ हद तक	नहीं
क्या इन गतिविधियों के कारण आपके बच्चे की पढ़ाई में रुचि बढ़ी है?	68 ¼42-50%½	70 ¼43-75%½	22 ¼13-75%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या आपको लगता है कि इन गतिविधियों से आपके बच्चे को नई चीजें सीखने का अवसर मिला है?	144 ¼90-00%½	16 ¼10-00%½

कथन	हाँ	थोड़ा	नहीं
क्या आपने अपने बच्चे के आत्मविश्वास में कोई सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया है?	74 ¼46-25%½	74 ¼46-25%½	12¼7-50%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या आपने अपने बच्चे के आत्मविश्वास में कोई सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया है?	101 ¼63-13%½	59¼36-88%½

कथन	हाँ	थोड़ा	नहीं
क्या इन गतिविधियों से आपके बच्चे के जीवन कौशल (Life Skills) में सुधार हुआ है?	78 ¼48-75%½	68 ¼42-50%½	14¼8-75%½

कथन	हाँ	नहीं
क्या विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत आपके बच्चे को नए संसाधन/सामग्री प्राप्त हुए हैं?	102 ¼63-75%½	71¼36-25%½

कथन	बहुतआसान	थोड़ा	नहीं
क्या नई सामग्री (खेलसामग्री, चार्ट, पुस्तकें, उपकरण आदि) से आपके बच्चे की सीखने की प्रक्रिया आसान हुई है?	68 ¼42-50%½	71 ¼44-50%½	21 ¼13-13%½

कथन	पूर्णतः सहमत	आंशिक सहमत	असहमत
क्या आप मानते हैं कि विद्यांजलि कार्यक्रम आपके बच्चे के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है?	84 ¼52-50%½	55 ¼34-38%½	21 ¼13-13%½

प्रस्तुत तालिकाओं के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों के प्रति अभिभावकों की जागरूकता एवं दृष्टिकोण समग्र रूप से सकारात्मक है। अधिकांश अभिभावकों (लगभग 95 प्रतिशत) को यह जानकारी है कि उनके बच्चों के विद्यालय में विद्यांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ कराई जा रही हैं, तथा लगभग दो–तिहाई अभिभावकों ने यह भी स्वीकार किया है कि उनके बच्चों ने इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागलिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि कार्यक्रम की पहुँच और सहभागिता अपेक्षाकृत संतोषजनक है।

अध्ययन यह भी दर्शाता है कि इन गतिविधियों के कारण बच्चों की सीखने में रुचि, नई चीजें सीखने के अवसर तथा आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। लगभग 90 प्रतिशत अभिभावकों का मानना है कि बच्चों को नई चीजें सीखने का अवसर मिला, जबकि बड़ी संख्या में अभिभावकों ने बच्चों के आत्मविश्वास और जीवन कौशल में सकारात्मक अथवा आंशिक सुधार महसूस किया है। इसके साथ ही, कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को नए संसाधन एवं सामग्री (खेल सामग्री, चार्ट, पुस्तकें, उपकरण आदि) प्राप्त होने से उनकी सीखने की प्रक्रिया सरल एवं प्रभावी हुई है।

हालाँकि, कुछ बिंदुओं पर आंशिक सहमति एवं असहमति भी देखने को मिलती है, विशेष कर पढ़ाई में रुचि बढ़ने और जीवन कौशल में सुधार के संदर्भ में, जो यह दर्शाता है कि कार्यक्रम का प्रभाव सभी बच्चों पर समान रूप से नहीं पड़ा है। इसके बावजूद, समग्र निष्कर्ष यह निकलता है कि विद्यांजलि कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है और विद्यालय–समुदाय सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है।

अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थः–

अध्ययन के परिणाम यह संकेत देते हैं कि विद्यांजलि कार्यक्रम के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता विद्यालयी शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं व्यावहारिक बना सकती है। इस संदर्भ में यह शैक्षिक निहितार्थ उभरकर आता है कि विद्यालयों को केवल औपचारिक शिक्षण संस्थानों के रूपमें न देखकर उन्हें सामुदायिक सहयोग के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जहाँ अभिभावक, स्थानीय नागरिक, विशेषज्ञ एवं स्वयंसेवी संगठन सक्रिय रूप से शैक्षिक प्रक्रिया में भागीदारी निभा सकें।

शोध निष्कर्षों से यह भी ज्ञात होता है कि विद्यांजलि कार्यक्रम शिक्षकों को अतिरिक्त अकादमिक एवं सह–पाठ्यक्रमीय सहयोग प्रदान करता है। अतः शैक्षिक दृष्टि से यह आवश्यक है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में सामुदायिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग, सहयोगात्मक शिक्षण तथा नवाचार आधारित शिक्षण–रणनीतियों को सम्मिलित किया जाए, जिससेशिक्षण की गुणवत्ता में सतत सुधार संभव हो सके। विद्यांजलि कार्यक्रम के शैक्षिक निहितार्थ शिक्षा–नीति निर्माण, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया तथा सामाजिक सहभागिता–इन सभी स्तरों पर दूरगामी एवं बहुआयामी प्रभाव डालते हैं। नीति–स्तर पर यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सहभागी एवं मानव–केंद्रित दृष्टिकोण साकार करने में सहायक सिद्ध होता है। विद्यालय प्रबंधन के संदर्भ में यह संसाधन–संवर्धन, प्रशासनिक सहयोग तथा पारदर्शित ाको बढ़ावा देता है, वहीं शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में यह अनुभवात्मक, गतिविधि–आधारित एवं जीवनोपयोगी अधिगम को प्रोत्साहित करता है।

संदर्भग्रन्थसूची

- Agarwal, R. (2021). School education reforms under the National Education Policy 2020. *Journal of Education and Development*, 5(2), 45–58.
- Chaudhary, S. (2023). Community support and school development in rural India. *Indian Journal of Rural Education*, 9(1), 61–74.
- Das, S. (2019). Community participation and school effectiveness in India. *International Journal of Social Sciences*, 7(3), 112–125.

- Epstein, J. L. (2018). *School, family, and community partnerships: Preparing educators and improving schools* (2nd ed.). Routledge.
- Gupta, M. (2022). Vidyanjaliprogramme and community engagement in Indian government schools. *Education and Society*, 10(2), 76–89.
- Kaur, P. (2023). Volunteer-based interventions in government schools: A case study of Vidyanjali programme. *Journal of Educational Policy Studies*, 4(1), 21–35.
- Ministry of Education. (2021). *Vidyanjali programme: Guidelines for school volunteer initiative*. Government of India.
- Mishra, R. (2022). Medium of instruction and learning outcomes: Reflections on NEP 2020. *Language and Education Review*, 11(2), 60–74.
- Patel, N. (2024). Community engagement under NEP 2020: Role of Vidyanjali programme. *Journal of Contemporary Education*, 12(1), 41–56.
- Rao, K. (2022). Teachers and administrative challenges in implementing NEP 2020. *Educational Management Review*, 15(2), 98–111.
- Sharma, P., & Sharma, R. (2022). Value-based education in the National Education Policy 2020. *Indian Journal of Value Education*, 4(1), 1–15.
- Tripathi, A. (2024). Schools as community hubs: An analysis of NEP 2020. *Journal of Indian Education*, 49(2), 73–88.